संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें, छत्तीसगढ़

स्वास्थ्य भवन, सेक्टर–19, नार्थ ब्लॉक, नया रायपुर छत्तीसगढ़
Phone No 0771-2221624 E-mail cgblindness@rediffmail.com

कमांक/अंधत्व/रा.का.अधि/2023/173 नवा रायपुर, दिनांक 24/07/2023

प्रति,

1. संचालक
   स्कूल शिक्षा विभाग,
   छत्तीसगढ़
2. संचालक
   आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग
   छत्तीसगढ़

विषयः–मौसमी नेत्र रोग(कंजक्टिवाइटिस) के रोकथाम विषयक।

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि राज्य में मौसम के कारण ''ऑख आने की बीमारी'' (कंजक्टिवाइटिस) बढ़ गई है। यह सम्पर्क से फैलने वाली बीमारी है, जो सघन रहवासी क्षेत्र में अधिक फैलता है। राज्य में संचालित विद्यालय, आवासीय विद्यालय, आश्रम छात्रावास एवं छात्रावास में छात्र–छात्राएं समूह में रहते हैं। जिनमें यह बीमारी फैल सकता है।

अतः अपने अधिनस्थ संचालित संस्थाओं में इस बीमारी के रोकथाम के लिए आवश्यक निर्देश प्रसारित करने का कष्ट करेंगे।

संलग्नः–कंजक्टिवाइटिस रोग की जानकारी।

संचालक
महामारी नियंत्रण सह
राज्य कार्यक्रम अधिकारी (NPCB&VI)
संचालनालय स्वास्थ्य सेवाऐं छत्तीसगढ़

कंजक्टीवाइटिस

यह आँखों की आम बीमारी है जिसे हम आँख आना भी कहते हैं

लक्षण -

इस बीमारी में रोगी की आँख लाल हो जाती है, कीचड़ आता है, आँसू आते हैं, चुभन होती है तथा कभी कभी सूजन भी आ जाती है।

उपचार -

- एन्टीबॉयोटिक ड्रॉप जैसे Gentamicine/ Ciprofloxacine/ Moxifloxacin आई ड्रॉप आँखों में छः बार एक एक बूंद तीन दिनों के लिये मरीज को देना चाहिये।

- तीन दिनों में आराम न आने पर किसी अन्य बीमारी की संभावना हो सकती है। अतः ऐसे में नेत्र विशेषज्ञ के पास दिखाना उचित होता है। अन्यथा गंभीर स्थिति निर्मित हो सकती है।

- इसके जॉच एवं उपचार की सुविधा चिकित्सा महाविद्यालय, जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में निःशुल्क उपलब्ध है।

बचाव-

- यह संक्रामक बीमारी है जो सम्पर्क से फैलती है, अतः मरीज को अपनी आँखों को हाथ न लगाने की सलाह देनी चाहिये।
- रोगी से हाथ मिलाने एवं उसकी उपयोग की चीजें अलग कर इस बीमारी के फैलाव को रोका जा सकता है।
- संक्रमित आँख को देखने से इस बीमारी के फैलने की धारणा केवल भ्रम है। यह बीमारी केवल सम्पर्क से ही फैलती है।